भारत सरकार
संचार मंत्रालय
डाक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2934
उत्तर देने की तारीख 17 दिसंबर, 2025

भारतीय डाक में आईटी आधुनिकीकरण 2.0

2934. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आईटी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0 के अंतर्गत आधुनिकीकरण के लिए चयनित डाकघरों की राज्य-वार और आंध्र प्रदेश में जिला-वार संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजना के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति सहित अब तक आधुनिकीकृत डाकघरों की राज्य-वार और आंध्र प्रदेश में जिला-वार संख्या क्या है;

(ग) इस योजना के तहत आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि का राज्य-वार, वर्ष-वार और आंध्र प्रदेश में जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) डिजिटल भुगतान प्रणाली, स्वचालन (ऑटोमेशन), रसद प्रबंधन और साइबर सुरक्षा सुधार सहित प्रमुख तकनीकी और अवसंरचना उन्नयन का ब्यौरा क्या है;

(ङ) आंध्र प्रदेश में प्रशिक्षित डाक कर्मचारियों की संख्या और उनके प्रशिक्षण का स्वरूप क्या है;

(च) आंध्र प्रदेश में कार्यान्वयन के दौरान क्या मुख्य चुनौतियां सामने आईं और उनके समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए; और

(छ) क्या आईटी आधुनिकीकरण 2.0 से आगे इसका और विस्तार करने का कोई विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) और (ख) आईटी आधुनिकीकरण 2.0 परियोजना के अंतर्गत कार्यान्वयन के लिए आंध्र प्रदेश में चिह्नित डाकघरों का जिला-वार विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ग) आईटी आधुनिकीकरण 2.0 परियोजना की शुरुआत 2022-23 में की गई थी, जो आगे आठ (08) वर्षों तक कार्यान्वित की जाएगी। इस परियोजना के तहत आवंटित निधियों का राज्य-वार, वर्ष-वार, डिवीजन/यूनिट-वार विवरण तथा वर्ष 2022-2023 से 2024-2025 (मार्च 2025 तक) की अवधि के दौरान आईटी 2.0 परियोजना के तहत उपयोग की गई निधियों को विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(घ) डाक विभाग ने आईटी आधुनिकीकरण 2.0 परियोजना के तहत एक प्रमुख डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म का शुभारंभ करके उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) का रोलआउट किया है। एपीटी एक स्वदेशी रूप से विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (सीईपीटी) द्वारा डिजाइन और इन-हाउस रूप से विकसित किया गया है।

एपीटी एप्लीकेशन माइक्रोसर्विसेज और ओपन एपीआई आर्किटेक्चर का प्रयोग करती है, जो इसे सुरक्षित, स्केलेबल और फ्यूचर-रेडी बनाता है। इस एप्लीकेशन को मेघराज 2.0 क्लाउड पर होस्ट किया गया है। एपीटी के माध्यम से सक्षम डिजिटल अवसंरचना ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं - जैसे 'प्वॉइंट ऑफ सेल' (पीओएस) मशीन और 'वन टाइम पासवर्ड' (ओटीपी) आधारित लॉग-इन का प्रयोग कर डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने हेतु ग्राहकों के लिए डायनेमिक क्यूआर कोड भुगतान को पूरा करने में दक्ष और स्केलेबल है।

एपीटी एप्लीकेशन की सुरक्षा और कार्य-निष्पादन लेखापरीक्षा, मानकीकरण परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन (एसटीक्यूसी) के माध्यम से की गई है। साइबर सुरक्षा की निगरानी के लिए विभाग में मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) / उप मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (डिप्टी सीआईएसओ) नामित किए गए हैं।

(ङ) आंध्र प्रदेश में कुल 25,824 डाक कर्मचारियों को एपीटी (आईटी 2.0) के विभिन्न मॉड्यूल पर प्रशिक्षित किया गया है। एंड यूज़र्स को कार्यशालाओं, ऑनलाइन और लाइव परिवेश में व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

(च) कार्यान्वयन में आने वाली प्रमुख चुनौतियां और उनके समाधान के लिए उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं -

1. **आईटी 2.0 एप्लिकेशन को सपोर्ट करने के लिए पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर** : आईटी 2.0 विनिर्देशों/आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया गया।

2. **निर्धारित समय के भीतर एंड यूज़र्स को प्रशिक्षण प्रदान करना :** प्रत्येक विभाग ने उपयोगकर्ता चैंपियनों को चिह्नित किया और उनको मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न आईटी 2.0 मॉड्यूल पर प्रशिक्षिण प्रदान किया गया। अपना प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, इन उपयोगकर्ता चैंपियनों ने अपने-अपने विभागों में एंड यूज़र्स को प्रशिक्षित किया।

3. **मुद्दों का समाधान :** तकनीकी मुद्दों का समाधान करने के लिए, डिविजन, क्षेत्र और सर्कल स्तर पर टीमें गठित की गईं है और सभी हितधारकों के साथ व्हाट्सएप समूह बनाए गए हैं ताकि मुद्दों का तत्काल समाधान किया जा सके, शीघ्र सुधार किया जा सके और अंततः सीईपीटी की मदद से उनका हल निकाला जा सके।

4. **प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन में भाषा संबंधी बाधाओं का समाधान :** भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए स्थानीय भाषा में मानक प्रचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) उपलब्ध कराई गईं और स्थानीय भाषा में व्यावहारिक सत्रों सहित प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

(छ) जी, नहीं।

*****

अनुबंध-I

लोक सभा के दिनांक 17 दिसंबर, 2025 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2934 के उत्तर के भाग (क) और भाग (ख) में संदर्भित अनुबंध-I

आईटी आधुनिकीकरण 2.0 परियोजना के अंतर्गत कार्यान्वयन के लिए आंध्र प्रदेश में चिह्नित डाकघरों का विवरण निम्नानुसार है:-

जिला	**आईटी आधुनिकीकरण 2.0 के लिए चयनित डाकघरों की संख्या**	**आधुनिकीकृत डाकघरों की संख्या**
अल्लूरी सीतारामराजू	434	434
अनकापल्ली	402	402
अनंतपुर	478	478
अन्नमय्या	446	446
बापट्ला	352	352
चित्तूर	417	417
कड़पा	324	324
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर कोनासीमा	327	327
पूर्व गोदावरी	280	280
एलूरु	436	436
गुंटूर	286	286
काकिनाड़ा	274	274
कृष्णा	403	403
कर्नूल	366	366
नंदयाल	401	401
नेल्लूर	208	208
एनटीआर	257	257
पलनाडू	438	438
पार्वतीपुरम मनयम	318	318
प्रकासम	668	668
पुद्दुचेरी संघ राज्य-क्षेत्र	1	1
एसपीएसआर नेल्लूर	435	435
श्री सत्य साई	467	467
श्रीकाकुलम	502	502
तिरुपति	472	472
विशाखापट्टणम	157	157
विजयनगरम	526	526
पश्चिम गोदावरी	338	338
वाईएसआर कड़पा	257	257
कुल योग	**10670**	**10670**

अनुबंध-II

लोक सभा के दिनांक 17.12.2025 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2934 के उत्तर के भाग (ग) में संदर्भित अनुबंध-II

वित्त वर्ष 2022-23 से आईटी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0 निधि का आवंटन किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए राज्य/डिवीजन/यूनिट-वार आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का विवरण निम्नानुसार है:-

(राशि रुपए में)

(क) राज्य-वार

राज्य	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए		वित्त वर्ष 2023-24 के लिए		वित्त वर्ष 2024-25 के लिए	
	आवंटित निधि	उपयोग की गई निधि	आवंटित निधि	उपयोग की गई निधि	आवंटित निधि	उपयोग की गई निधि
आंध्र प्रदेश	1,60,68,000	1,60,67,308	2,08,89,000	2,08,88,985	3,10,00,000	3,09,99,747

(क) डिवीजन/यूनिट-वार

डिवीजन/यूनिट	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए		वित्त वर्ष 2023-24 के लिए		वित्त वर्ष 2024-25 के लिए	
	आवंटित निधि	उपयोग की गई निधि	आवंटित निधि	उपयोग की गई निधि	आवंटित निधि	उपयोग की गई निधि
आंध्र प्रदेश सर्कल कार्यालय	86,10,126	86,10,126	31,78,998	31,78,998	14,20,000	14,19,805

कर्नूल क्षेत्रीय कार्यालय	67,406	67,174	4,07,925	4,07,925	59,73,771	59,73,763
अनंतपुर डिवीजन	2,35,272	2,35,272	5,88,867	5,88,862	0*	0*
चित्तूर डिवीजन	2,44,700	2,44,700	3,83,900	3,83,900	0*	0*
कड़पा डिवीजन	2,44,700	2,44,610	2,12,632	2,12,632	0*	0*
हिंदूपुर डिवीजन	2,41,667	2,41,667	4,73,254	4,73,254	0*	0*
कर्नूल डिवीजन	2,44,882	2,44,882	52,74,005	52,74,000	7,07,279	7,07,279
नंदयाल डिवीजन	2,97,668	2,97,668	2,67,752	2,67,752	0*	0*
प्रोद्दुटूरू डिवीजन	2,46,969	2,46,969	2,95,092	2,95,090	0*	0*
तिरुपति डिवीजन	2,44,610	2,44,610	2,99,910	2,99,910	18,950	18,950
विजयवाड़ा क्षेत्रीय कार्यालय	95,407	95,043	99,950	99,950	93,90,291	93,90,291
भीमवरम डिवीजन	2,49,668	2,49,668	2,17,939	2,17,939	3,14,048	3,14,048
एलूरु डिवीजन	2,49,918	2,49,918	2,14,016	2,14,016	2,77,163	2,77,163
गुडिवाडा डिवीजन	2,49,753	2,49,753	2,22,120	2,22,120	1,33,000	1,33,000
गूडूर डिवीजन	2,48,204	2,48,204	4,81,106	4,81,106	89,626	89,626
गुंटूर डिवीजन	2,46,467	2,46,467	2,14,968	2,14,968	2,28,555	2,28,545
मचिलीपट्णम डिवीजन	2,42,675	2,42,675	2,84,301	2,84,301	34,450	34,450
नरसरावपेट डिवीजन	2,49,500	2,49,499	3,00,660	3,00,659	0*	0*
नेल्लूर डिवीजन	2,44,475	2,44,475	2,99,940	2,99,940	2,63,728	2,63,728
प्रकासम डिवीजन	2,49,773	2,49,773	2,99,074	2,99,074	2,69,479	2,69,479

ताडेपल्लिगूडेम डिवीजन	2,47,053	2,47,053	4,31,940	4,31,939	1,39,476	1,39,476
तेनाली डिवीजन	2,49,948	2,49,948	2,50,301	2,50,301	1,56,509	1,56,509
विजयवाड़ा	2,47,570	2,47,570	2,99,990	2,99,990	1,44,080	1,44,080
मार्कापूर डिवीजन	2,49,589	2,49,589	2,88,680	2,88,680	1,45,950	1,45,950
विशाखापट्टणम क्षेत्रीय कार्यालय	83,083	83,080	56,01,680*	56,01,680*	57,49,336	57,49,327
अमलापुरम	2,48,370	2,48,370	0*	0*	1,05,410	1,05,410
अनकापल्ली डिवीजन	2,49,520	2,49,520	0*	0*	2,42,820	2,42,820
काकिनाडा डिवीजन	2,44,700	2,44,700	0*	0*	1,32,000	1,32,000
पार्वतीपुरम	2,48,888	2,48,887	0*	0*	0*	0*
राजमंड्री डिवीजन	2,49,624	2,49,624	0*	0*	1,20,500	1,20,500
श्रीकाकुलम डिवीजन	2,47,358	2,47,358	0*	0*	2,24,934	2,24,934
विशाखापट्टणम डिवीजन	2,48,697	2,48,697	0*	0*	0*	0*
विजयनगरम डिवीजन	2,49,760	2,49,760	0*	0*	1,25,000	1,25,000
पीएसडी विजयवाड़ा	-	-	-	-	45,93,645	45,93,613
कुल	**1,60,68,000**	**1,60,67,308**	**2,08,89,000**	**2,08,88,985**	**3,10,00,000**	**3,09,99,747**

(*क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीय रूप से प्रापण किया गया)